ब्रहमसूत्र पर लिखे शंकराचार्य के भाष्य की अध्यासभाष्य में ब्रह्म के दार्शनिक विश्लेषण की समीक्षा कीजिए।

8. "There is no store of consciousness that passes on"... How does Nagasena address the idea of memory and identity without a continuous self in the *Milindapañha*? Explain with illustrations.

"चेतना का कोई भंडार नहीं है जो आगे बढ़ता है"। मिलिंदपन्ह में नागसेन ने निरंतर आत्मा के बिना स्मृति और पहचान के विचार को कैसे संबोधित किया है? उदाहरणों के साथ समझाइए।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 6302 **J**

Unique Paper Code : 2103100011

Name of the Paper : INDIAN THEORIES ON CONSCIOUSNESS

Name of the Course : **Philosophy DSE**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **five** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. किसी भी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।

4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Explain the meaning and philosophical significance of 'AUM' as explained in the Māṇḍūkya Upanisad.

माण्डूक्य उपनिषद में वर्णित 'ओम्' का अर्थ और दार्शनिक महत्व समझाइए।

2. Examine how the Māṇḍūkya Upanisad employs the four states of Consciousness as a systematic Vedantic approach to realize the nature of Consciousness.

परीक्षण करें कि माण्डूक्य उपनिषद् चेतना की प्रकृति को समझने के लिए एक व्यवस्थित वेदांतिक दृष्टिकोण के रूप में चेतना की चार अवस्थाओं को किस प्रकार नियोजित करता है।

3. "There is no soul, only a combination of elements"— How does Nagasena support this Buddhist view through dialogue and analogy in the *Milindapañha*?

"कोई आत्मा नहीं है, केवल तत्वों का संयोजन है"-- मिलिंदपन्ह में नागसेन संवाद और सादृश्य के माध्यम से इस बौद्ध दृष्टिकोण का समर्थन कैसे करते हैं?

4. "Weapons do not cut it nor does fire burn it, the waters do not wet it nor does the wind dry it". In regard with this discuss the nature of Soul in Bhagavadgitā.

"न शस्त्र इसे काटते हैं, न अग्नि इसे जलाती है, न जल इसे गीला करता है, न वायु इसे सुखाती है।" इस संबंध में भगवद्गीता में आत्मा के स्वरूप की चर्चा कीजिए।

5. Analyse the arguments given by Jayanta Bhalt in Nyāya-mañjari to refute the Chārvāka's views on body is the Self (*Dehatmavāda*).

न्यायमंजरी में जयंत भट्ट द्वारा चार्वाक के 'देहात्मावाद' संबंधी विचारों का खंडन करने के लिए दिए गए तर्कों का विश्लेषण करें।

6. Discuss the concept of Superimposition (Adhyāsa) and its relevance as a prelude to the Brahmasutrabhāshya of Shankarāchāryā.

अध्यास की अवधारणा और शंकराचार्य के ब्रह्मसूत्रभाष्य की प्रस्तावना के रूप में इसकी प्रासंगिकता पर चर्चा करें।

7. Examine Shankara's philosophical exposition of Brahman in the Adhyāsabhāṣya of his commentary on the Brahmasūtras.